भाकृअनुप-केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान बैरकपुर, कोलकाता में आयोजित हिन्दी कार्यशाला-एक रिपोर्ट

भाकृअनुप-केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता में दिनांक 26/06/2020 को पूर्वाह्न 11.30 बजे से 01.30 बजे तक एवं अपराह्न 02.30 बजे से 04.30 बजे तक संस्थान के निदेशक, डॉ. गौरांग कर जी की अध्यक्षता में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए "राजभाषा कार्यान्वयन" एवं "भारतीय संविधान" विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 11 प्रतिभागियों (06 अधिकारी और 05 कर्मचारी) ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया तथा इस कार्यशाला का एक लिंक तैयार करके कार्यालय में उपस्थिति सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जी-मेल के माध्यम से भेज दिया गया था जिसमें वे सभी ऑनलाइन सक्रिय थे और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यशाला में भाग लिए। श्री पी. के. जैन, मुख्य प्रशासनिक अधिकरी ने भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यशाला में भाग लिया।

सर्वप्रथम कार्यशाला का आरम्भ करते हुये श्री विकास मंगल, वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिन्दी कक्ष ने निदेशक महोदय का हार्दिक स्वागत किया साथ ही साथ कार्यशाला के मुख्य वक्ता, श्री राम दयाल शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री गौरांग घोष, वित्त एवं लेखा अधिकारी तथा कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रशासनिक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। तत्पश्चात उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के कर्मचारी होने के नाते हम सभी का दायित्व बनता है कि अपना दैनिक कार्यालयीन कामकाज राजभाषा हिन्दी में करें। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिये ही प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशालायों का आयोजन किया जाता है।

तदोपरांत सत्राध्यक्ष डॉ. गौरांग कर, निदेशक ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य वक्ता, श्री राम दयाल शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता का स्वागत करते हुये अपने सम्बोधन में कहा कि इस तरह के कार्यशाला के आयोजन से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को न सिर्फ राजभाषा नीति-नियम की जानकारी होगी बल्कि इसके अनुपालन में उनकी भूमिकाओं से भी उन्हें अवगत कराया जा सकेगा। उन्होंने इस दौरान संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे कार्यशाला में प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान का पूरा-पूरा लाभ उठाएं और कार्यालयीन कार्यों में उनका ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। इस दौरान उन्होंने समस्त प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वे इस कार्यशाला के माध्यम से जो भी सीखे हैं उसे अमल में लाएं एवं इसके साथ ही साथ उन्होंने बताया कि धारा 3(3) के सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में ही जारी करना सुनिश्चित करें, पत्राचार को अधिक से अधिक हिन्दी में करें, ई- ऑफिस में भी टिप्पण एवं मसौदा हिन्दी में करें तथा अधिकाधिक अपना सरकारी कार्य हिन्दी में करने पर बल दिया। इसके बाद निदेशक महोदय ने सत्र आरम्भ करने का अनुरोध किया।

परिचयात्मक सत्र में श्री राम दयाल शर्मा ने सर्वप्रथम सत्राध्यक्ष डॉ. गौरांग कर, निदेशक महोदय का विशेष आभार व्यक्त करते हुए बताया कि हमारा देश वर्तमान समय में कोरोना महामारी से जुझ रहा है। इसमें हमें अपना कार्यालयीन कार्य भी करना है तथा अपने आप को सुरक्षित भी रखना है। इस संदर्भ में इन्होंने बताया कि हमें भारत सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का अनुपालन करना है, आरोग्य सेतु एप्प को अवश्य अपने मोबाइल में डाउनलोड करना है तथा ब्लूटूथ व लोकेशन को हमेशा ऑन रखना है, हाथ को साबुन से बार-बार धोना है तथा सेनेटाइज भी करते रहना है और सर्वोपरि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है। इसके पश्चात इन्होंने राजभाषा नियम, राजभाषा अधिनियम, संकल्प एवं राजभाषा संबंधी प्रमुख निदेशों को विस्तार पूवर्क बताया।

द्वितीय सत्र में सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री आर.डी. शर्मा ने पावर प्वाइंट के माध्यम से भारतीय संविधान पर चर्चा की। इस दौरान इन्होंने 12 अनुसूचियों, 22 भागों व 5 परिशिष्टों पर चर्चा करते हुए भारत के संविधान सभा के गठन की समयावली पर विस्तार से चर्चा की। इस कार्यशाला का कुशल संचालन श्री विकास मंगल, वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिन्दी कक्ष ने किया। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए श्री मनोज कुमार राय, सहायक ने इस कार्यशाला को सफल बनाने के लिए संस्थान के डॉ. गौरांग कर, निदेशक महोदय को विशेष धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने इस कार्यशाला में जो भी सुझाव दिए हैं उनका अनुपालन निश्चित तौर पर हम सब अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में करेंगे। कार्यशाला के अंत में उन्होंने श्री पी. के. जैन, मुख्य प्रशासनिक अधिकरी, श्री विकास मंगल, वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिन्दी कक्ष, श्री आर.डी. शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री गौरांग घोष, वित्त एवं लेखा अधिकारी तथा प्रशासनिक वर्ग के सभी प्रतिभागियों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।